



वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2001 - 2002

Report  junction.com

केनरा बैंक
CANARA BANK

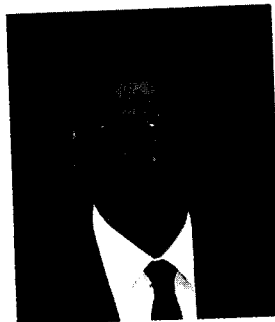
Serving to Grow - Growing to Serve



कॉर्पोरेट कार्यालय का एक दृश्य
A view of the Corporate Office

निदेशक मंडल

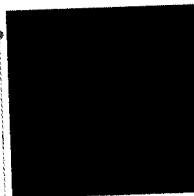
BOARD OF DIRECTORS



श्री आर वी शास्त्री
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
Shri R V Shastri
Chairman & Managing Director



श्री एन कांत कुमार
कार्यपालक निदेशक
Shri N Kantha Kumar
Executive Director



श्री अजित एम शरण
भारत सरकार का प्रतिनिधित्व
करनेवाले निदेशक
Shri Ajith M Sharan
Director representing
Government of India



श्री एम के भट्टाचार्य
भारतीय रिजर्व बैंक का प्रतिनिधित्व
करनेवाले निदेशक
Shri M K Bhattacharya
Director representing Reserve
Bank of India



श्री एस के कोहली
अधिकारि कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व
करनेवाले निदेशक
Shri S K Kohli
Director representing
Officer Employees



श्री ए शशिकांत
कामगार कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व
करनेवाले निदेशक
Shri A Shashikanth
Director representing
Workmen Staff



श्री एन सी राजप्पा
गैर सरकारी निदेशक
Shri N C Rajappa
Non-official Director



श्री अमर नाथ सिंघला
गैर सरकारी निदेशक
Shri Amar Nath Singla
Non-official Director



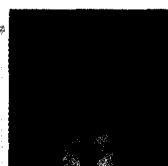
डॉ सोने लाल
गैर सरकारी निदेशक
Dr Sone Lal
Non-official Director



श्री आर एन परजाने
गैर सरकारी निदेशक
Shri R N Parjane
Non-official Director

महा प्रबंधकगण

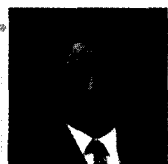
GENERAL MANAGERS



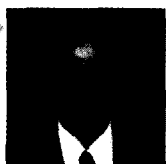
के वी हेगडे
K V Hegde



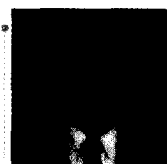
के एम शेट
K M Shet



एम पी नायक
M P Nayak



जी उमेश शेणाय
G Umesh Shenoy



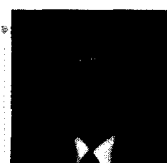
एम एस नायक
M S Nayak



ए फर्नांडिस
A Fernandes



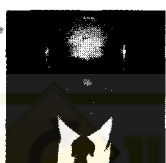
एच आर शेणाय
H R Shenoy



पी राममूर्ति
P Ramamoorthy



आर मुरलीकृष्णा
R Muralikrishna



एस ए शानभाग
S A Shanbhag



वी जी प्रभु
V G Prabhu



के अण्णप्पय्या
K Annappayya



एस जयरामन
S Jayaraman



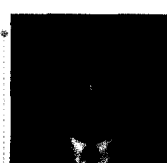
एम गोकुलदास
M Gokuldas



के रंगराया
K Rangaraya



के सुरेश राव
K Suresh Rao



जी एन मूर्ति
G N Moorthy



वी ए पी मल्लन
V A P Mallan



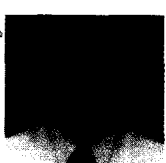
अनिल डी प्रभु
(भारतीय स्टेट बैंक से प्रतिनियुक्ति पर)
Anil D Prabhu
(On deputation from SBI)



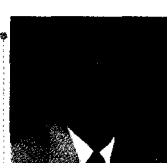
वी एस रेड्डी
V S Reddy



प्रकाश पी मल्ल्या
Prakash P Mallya



जे एस कल्याणपुर
J S Kalyanpur



जार्ज जोसफ
George Joseph

उप महा प्रबंधकगण

DEPUTY GENERAL MANAGERS

एम वी बालसुब्रमणियन	अलबर्ट टावरो	M V Balasubramanian	Albert Tauro
आर के मधुकर	एन एस श्रीनाथ	R K Madhukar	N S Srinath
के एस पै	टी वाई प्रभु	K S Pai	T Y Prabhu
टी आर एकनाथन	एस वेंकटेश	T R Ekanathan	S Venkatesh
पीटर डी एफ कारडोजो	पी जी के भट्ट	Peter D F Cardozo	P G K Bhat
डी के साहू	एच जी कामत	D K Sahoo	H G Kamath
सी बद्री	डी गणपती कामत	C Badri	D Ganapathy Kamath
एम अक्षय कुमार	एन सुभाष बोस	M Akshaya Kumar	N Subash Bose
के वेंकटरामय्या	एस बी आर बाबूजी	K Venkataramaiah	S B R Babuji
जी आर कामत	पी मोहनन	G R Kamath	P Mohanan
एन सोमसुन्दरम	पी जी चावला	N Somasundaram	P G Chawla
बी एस हेगडे	टी भगवानदास	B S Hegde	T Bhagawandas
एम ए पै	जी वी एम के नायडु	M A Pai	G V M K Naidu
एन जीवगन	एम डी कण्णन	N Jeevagan	M D Kannan
आर प्रभा	एम रामकुमार	R Prabha	M Ramkumar
वाई एल मदान	एस एस भास्करन	Y L Madan	S S Bhaskaran
बी सुकुमारन	टी थॉमस मैथ्यू	B Sukumaran	T Thomas Mathew
टी वीरराघवन	पी बंदोपाध्याय	T Veeraraghavan	P Bandiopadhyaya
एन आर वेंकटरमणी	एस तंगपांडी	N R Venkataramani	S Thangapandi
के गोपालकृष्णन	के एस शेणाय	K Gopalakrishnan	K S Shenoy
जे एस वासन	टी डी पै	J S Vasan	T D Pai
पी एन मूर्ति	बी जे कामत	P N Murthy	B J Kamath
ए के गुप्ता	एन शेषाद्री	A K Gupta	N Seshadri
के बी प्रभु	एस पद्मनाभन	K B Prabhu	S Padmanabhan
अनिल गिरोत्रा	एन आर रामानुजम	Anil Girotra	N R Ramanujam

लेखा परीक्षक

AUDITORS

पी एल मित्रल एण्ड कं.	P L Mittal & Co
सुरेश चंद्रा एण्ड एसोसिएट्स	Suresh Chandra & Associates
एन शंकरन एण्ड कं	N Sankaran & Co
आर जी एन प्राइस एण्ड कं	R G N Price & Co
एस भंडारी एण्ड कं	S Bhandari & Co
आर के कुमार एण्ड कं	R K Kumar & Co

2001-2002 के कार्यनिष्पादन के मुख्य अंश और कार्यपरिचालन परिणाम

PERFORMANCE HIGHLIGHTS & WORKING RESULTS FOR 2001-02

प्रगति की एक झलक

PROGRESS AT A GLANCE

		(रु. करोड़ में) (Rs. in Crore)		
		1999-2000	2000-01	2001-02
शाखाओं की संख्या	Number of Branches	2397	2405	2409
पूंजी	Capital	578	578	578
आरक्षितियाँ	Reserves	2018	2237	2894
निक्षेप	Deposits	48001	59070	64030
-प्रमात्रा वृद्धि	Quantum Increase	6042	11069	4960
- % वृद्धि	% Increase	14	23	8
अनिवासी जमाएं	Non-Resident Deposits	8918	9877	11358
विदेशी व्यापार पण्यवर्त	Foreign Business Turnover	53634	61119	59333
अग्रिम (निवल)	Advances (Net)	23547	27832	33127
प्राथमिकता क्षेत्र को अग्रिम	Advances to Priority Sector	7667	9139	10536
- कृषि	Agriculture	2986	3476	3888
- लघु उद्योग	Small Scale Industries	2798	2964	3366
- विभेदक ब्याज दर योजना के अंतर्गत अग्रिम	Advances under DIR Scheme	28	25	18
- एग्राविका / स्वजग्रास्वयो के अंतर्गत अग्रिम	Advances under IRDP/SJGSY	178	165	191
- अ जा / अ ज जा लाभार्थियों को अग्रिम	Advances to SC/ST	392	426	478
निर्यात साख	Export Credit	3007	3517	3672
जमा खाते (मिलियन में)	Deposit Accounts (In Million)	22.2	22.4	23.0
उधार खाते (मिलियन में)	Borrowal Accounts (In Million)	2.34	2.39	2.38
कुल कर्मचारी	Total Number of Staff	55363	48257	47796
कुल आय	Total Income	5687	6536	7799
कुल व्यय	Total Expenditure	5451	6251	7058
परिचालनगत लाभ	Operating Profit	923	1131	1656
शुद्ध लाभ	Net Profit	236	285	741
महत्वपूर्ण अनुपात (%)		Important Ratios (%)		
पूंजी पर्याप्तता अनुपात	Capital Adequacy Ratio	9.64	9.84	11.88
प्रति कर्मचारी कारोबार (रु. करोड़ों में)	Business Per Employee (Rs. Crore)	1.35	1.91	2.15
प्रति कर्मचारी लाभ (रु. लाखों में)	Profit Per Employee (Rs. Lakh)	0.45	0.63	1.64
आस्तियों पर प्रतिफल	Return on Assets	0.43	0.43	1.03
निवल अनुपयोज्य आस्ति अनुपात	Net NPA Ratio	5.28	4.84	3.89

निदेशकों की रिपोर्ट

2001 - 2002

बैंक के कार्य-संचालन के परिणामों की 33 वीं वार्षिक रिपोर्ट एवं यथा 31 मार्च 2002 का तुलनपत्र तथा 31 मार्च 2002 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए लाभ व हानि लेखा प्रस्तुत करने में निदेशक मंडल को प्रसन्नता है।

I. आर्थिक परिवेश

देशी और बाहरी दोनों क्षेत्रों में वर्ष 2001-2002 के दौरान आर्थिक गतिविधि की धीमी गति जारी रही। बाहरी क्षेत्र में वास्तविक उत्पादन में कमी के कारणों में शामिल हैं, विश्व स्तर पर धीमी आर्थिक गतिविधि, यू एस ए में आर्थिक मंदी और सितंबर 11 के बाद की परिस्थितियां। फिर भी, केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन के द्वारा जारी पूर्वानुमानों के अनुसार भारत के वास्तविक सकल देशी उत्पाद में पिछले वर्ष के 4.0 % की तुलना में 5.4 % की वृद्धि अनुमानित है। समूचे तौर पर स्वस्थ वृद्धि में तेजी मुख्य रूप से कृषि और संबद्ध क्रियाकलापों में पिछले दो वर्षों की लगातार सामान्य वृद्धि 5.7 % के बाद हुए अधिक उछाल से हुई थी। तथापि, उत्पादन और मूल संरचना को शामिलकर उद्योग जैसे अर्थ व्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में वर्ष 2001-02 के दौरान निरंतर कमी पाई गई है।

एक साल के पहले अभिलिखित 6.3 % की तुलना में इस वर्ष के दौरान औद्योगिक उत्पाद सूचकांक द्वारा मापित औद्योगिक उत्पाद की वृद्धि दर 3.3 % के रूप में कम होने की संभावना है। यह भी उम्मीद है कि औद्योगिक क्षेत्र के अंतर्गत उत्पादन, खनन और उत्खनन व विद्युत, गैस और जल आपूर्ति क्षेत्र भी क्रमशः 3.3 % (6.7 %), 1.4 % (3.3 %) व 5.2 % (6.2 %) की कम वृद्धि दरें अभिलिखित करेंगे। तथापि आशा है कि पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान अभिलिखित 4.8 % के प्रति सेवा क्षेत्र, 6.5 % की उच्चतर वृद्धि दर प्राप्त करेगा।

मूल्य स्थिति में गिरावट जारी रही। थोक मूल्य सूचकांक में परिवर्तन द्वारा मापी गई वर्ष-दर-वर्ष मुद्रा स्फीति दर में उल्लेखनीय रूप से कमी हुई जिससे वह पिछले वर्ष के दौरान अभिलिखित 4.9 % के प्रति 1.4 % तक कम हुई, जो पिछले 2 दशकों में सब से कम है।

तथापि वर्ष 2001-02 के दौरान बाहरी क्षेत्र में निर्यातों में काफी कमी अंकित हुई थी। डी.जी.सी.आई. एण्ड एस. द्वारा जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष के दौरान अभिलिखित 21 % की वृद्धि के बिल्कुल विपरीत, वर्ष 2001-02 के दौरान निर्यातों में 1 % की कमी हुई। पिछले वर्ष के दौरान अभिलिखित 1.7 % के प्रति आयातों ने भी 0.4 % की कम वृद्धि दर अभिलिखित की। पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि के दौरान अभिलिखित 5.9 बिलियन अमरीकी डालरों की तुलना में अप्रैल-फरवरी 2001-02 के दौरान व्यापार घाटा 6.6 बिलियन अमरीकी डालर तक बढ़ा।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, विदेशी विनिमय आरक्षितियों में महत्वपूर्ण वृद्धि दिखाई दी। 31 मार्च 2001 की 42.3 बिलियन डालर के प्रति यथा 31 मार्च 2002 को विदेशी विनिमय आरक्षितियां 54 बिलियन डालर रहीं। फिर भी, समीक्षाधीन वर्ष में विनिमय दर में अस्थिरता पाई गई, जिससे वर्ष के दौरान यू एस डालर के प्रति रुपये के भाव में 4 % की कमी हुई।

DIRECTORS' REPORT

2001 - 2002

The Board of Directors have pleasure in presenting the 33rd Annual Report on the working results of the Bank, as also the Balance Sheet as at March 31, 2002 and Profit and Loss Account for the financial year ended March 31, 2002.

I. ECONOMIC ENVIRONMENT

Economic slowdown continued during 2001-02 on both domestic and external fronts. On the external front, the factors responsible for fall in real output included global slowdown, recession in the USA and aftermath of September 11. Yet, India's real Gross Domestic Product (GDP), as per advanced estimates released by Central Statistical Organisation (CSO), is estimated to have grown at 5.4% compared to 4.0% recorded in the previous year. Healthy overall growth was spurred mainly by buoyancy in agriculture and allied activities which is estimated to have posted a growth of 5.7% during the year after two consecutive years of subdued growth. However, several segments in the economy, such as, industry, including manufacturing and core infrastructure, were marked by persistent decline during 2001-02.

Industrial production, measured by the Index of Industrial Production (IIP), is estimated to have recorded a lower growth rate of 3.3% during the year as against 6.3% posted a year ago. Within the industrial sector, manufacturing, mining and quarrying and electricity, gas & water supply also recorded lower growth rates of 3.3% (6.7%), 1.4% (3.3%) and 5.2% (6.2%) respectively. However, services sector registered a higher growth rate of 6.5% as against 4.8% recorded during last financial.

The price situation continued its downtrend during the year. Year-on-year inflation rate, as measured by variation in Wholesale Price Index (WPI), declined significantly to reach a two decade low of 1.4 per cent as against 4.9% recorded during the previous year.

However, external sector was marked by a sharp deceleration in exports during the year 2001-02. As per provisional data released by DGCI&S, exports shrunk by 1% during 2001-02 in sharp contrast to a growth of 21% recorded during the last year. Imports also registered a lower growth rate of 0.4% as against 1.7% recorded a year ago. During the year, trade deficit, went up to US \$ 6.6 billion from US \$ 5.9 billion recorded a year ago.

Foreign exchange reserves showed a significant rise during the period under review. As at March 31, 2002, foreign exchange reserves amounted to \$ 54 billion, as against \$ 42.3 billion as at March 31, 2001. Notwithstanding the increase in foreign exchange reserves, the year under review was characterised by volatility in the exchange rate leading to depreciation of rupee by 4 % against the US Dollar.

II. मौद्रिक एवं बैंकिंग

गतिविधियाँ

वर्ष 2000-01 के दौरान अभिलिखित 16.8 % के प्रति बेहतर मौद्रिक नीति के लक्ष्य पर बल दिए जाने के कारण स्थूल मुद्रा द्वारा मापित मुद्रा आपूर्ति में वर्ष के दौरान 14.0 % की वृद्धि हुई। वर्ष 2001-02 में वाणिज्यिक बैंकों के जमा और साख में मंदी भी पाई गई थी। वर्ष 2000-01 के दौरान हासिल 18.4 % की तुलना में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कुल जमा की वृद्धि दर 14.3 % के रूप में कम रही। वर्ष के अधिकांश समय में साख विपणन में धीमी गति जारी रही। तथापि वर्ष के अंत तक अग्रिमों में तेजी आई। एक साल के पहले के 17.3 % की तुलना में इस वित्तीय वर्ष के दौरान देशी साख में 14.5 % की वृद्धि हुई। पिछले वर्ष में अभिलिखित 16 % की तुलना में सरकारी क्षेत्र को निवल बैंक साख 14.8 % के रूप में कम रहा। पिछले वर्ष के दौरान अभिलिखित 17.3 % से 14.5 % तक कम हो कर वाणिज्यिक क्षेत्र को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक साख की वृद्धि दर में तीव्र कमी हुई। एक वर्ष पहले प्राप्त 14.9 % के प्रति गैर खाद्य ऋण की वृद्धि दर 12.8 % रही। वर्ष के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लागू किए गए नीतिगत परिवर्तनों में निम्नांकित शामिल हैं:-

- ♦ आश्चर्य पुनर्वित्त की राशि (समर्थित संवितरण सुविधा और निर्यात पुनर्वित्त के रूप में) 2 भागों में विभाजित हुई जहां सामान्य सुविधा के रूप में अंकित दो - तिहाई राशि बैंक दर पर उपलब्ध की जाएगी और शेष राशि रेपो दर से एक प्रतिशत अधिक दर पर
- ♦ निर्यात साख की ब्याज दरों में 1 से 1.5 प्रतिशत प्वाइंटों तक कमी की गई और निर्यात साख पुनर्वित्त तंत्र को संगत बनाया गया।
- ♦ वरिष्ठ नागरिकों के जमा पर अधिमन्य ब्याज दरें प्रदान करने की अनुमति बैंकों को दी गई।
- ♦ शुद्ध अंतर बैंक मांग मुद्रा बाजार की ओर बढ़ने में और प्रगति हासिल की गई।
- ♦ 23 अक्टूबर 2001 से 7 % से 6.5% तक बैंक दर में 0.50 प्रतिशत प्वाइंटों की कमी की गई जो वर्ष 1973 से सबसे कम है।
- ♦ 3 नवंबर 2001 और 29 दिसंबर 2001 से शुरू पखवाड़े से दो किशतों में नकद आरक्षित अनुपात में 7.5 % से 5.5 % तक 200 आधार प्वाइंटों की कमी की गई। अर्ध आरक्षित नकदी निधि अनुपात की ब्याज दर को लचीला बनाया गया और उसे 6 % से 6.5 % तक बढ़ा दिया गया।
- ♦ निवल मांग और सामयिक देयताओं के परिकलन हेतु अंतर बैंक देयताओं को छोड़कर देयताओं पर उपलब्ध सभी छूटों को वापस लिया गया।
- ♦ निजी नियोजित व अन्य, वाणिज्यिक कागजातों, बांडों, डिबेंचरों में सभी नए निवेशों को डीमैटीकृत करने के लिए दिशानिर्देश निर्धारित किए गए।

II. MONETARY AND BANKING DEVELOPMENTS

Owing to thrust on better monetary targeting, money supply, measured by broad money (M3), grew at 14.0% during the year as against 16.8% recorded during 2000-01. 2001-02 was also a year marked by sluggishness in deposits and credit of commercial banks. Aggregate deposits of the Scheduled Commercial Banks (SCBs) exhibited a lower growth rate of 14.3 % as compared with 18.4% during 2000-01. Sluggishness in credit offtake continued for most part of the year. However, advances picked up towards the end of the year. Domestic credit recorded a growth of 14.5 % during the financial year compared to 17.3% a year ago. Growth in net bank credit to Government sector stood lower at 14.8% compared to 16% recorded last year. Growth in SCBs' credit to the commercial sector exhibited a steep decline to 14.5%, down from 17.3% recorded during the previous year. Non-food credit recorded lower growth rate of 12.8% as against 14.9% a year ago, mainly due to industrial slowdown. Important policy changes initiated by the Reserve Bank of India during the year included the following :

- ♦ The amount of assured refinance (Collateralized Lending Facility (CLF) and Export Refinance) were split into two parts, wherein two-third of amount, termed as Normal Facility, is made available at Bank Rate and remaining at 1 per cent, above repo rate.
- ♦ Interest rates on export credit reduced by 1 to 1.5 percentage points and export credit refinance mechanism rationalized.
- ♦ Banks were allowed to offer preferential interest rates on deposits held by senior citizens.
- ♦ Further progress was achieved in moving to a pure inter-bank call money market.
- ♦ Bank Rate was cut by 0.50 percentage points from 7% to 6.5% with effect from October 23, 2001, the lowest since 1973.
- ♦ Cash Reserve Ratio (CRR) was reduced by 200 basis points from 7.5% to 5.5% in two instalments, with effect from the fortnight beginning November 3, 2001 and fortnight beginning December 29, 2001. Rate of interest on eligible CRR was made flexible and hiked from 6% to 6.5 %.
- ♦ For computing NDTL, all exemptions on liabilities were withdrawn, except inter-bank liabilities.
- ♦ Guidelines were prescribed to dematerialise all fresh investments in commercial paper, bonds, debentures, privately placed or otherwise.

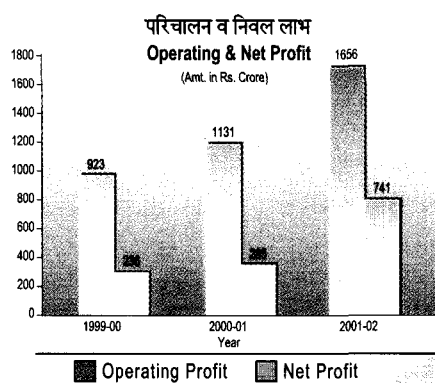
- ♦ बैंकों को यह स्वतंत्रता दी गई है कि वे रु. 10 करोड़ की कार्यशीलपूंजी सीमाओं के लिए नकद ऋण संघटक में 20 % से अधिक वृद्धि द्वारा कार्यशीलपूंजी के संघटक में परिवर्तन लाएं।
- ♦ नीलामियों में और सरकारी प्रतिभूतियों में गौण बाजार लेनदेनों में इलेक्ट्रॉनिक बोली लगाने और वास्तविक समय मान के आधार पर व्यापारों के संदर्भ में सूचना के आदान प्रदान में सुविधा हेतु संविदागत लेनदेन पद्धति की शुरुआत की गई।
- ♦ भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड के परिचालनों को शुरू किया गया और उसे संविदागत लेनदेन पद्धति के साथ संबद्ध किया गया।
- ♦ भारतीय रिजर्व बैंक ने निदेश दिया कि मार्च 2002 को समाप्त वित्तीय वर्ष से शुरू होनेवाली पाँच सालों की अवधि में निवेशों द्वारा प्राप्त लाभों में से न्यूनतम 5 % को निवेश अस्थिर आरक्षित के रूप में रखा जाए।
- ♦ बैंकों और मुद्रा बाजार भागीदारों को नई 14 दिन रेपो सुविधा के अंतर्गत प्रतिभूतियों के प्रति ऋण वितरण की अनुमति दी गई है।
- ♦ बैंकों को सूचित किया गया कि बेहतर अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली के अनुरूप मार्च 2004 को समाप्त होनेवाले वित्तीय वर्ष से उनकी आस्तियों के संवर्गीकरण हेतु 90 दिनों का मानदंड अपनाएं।
- ♦ बैंकों को सूचित किया गया कि वे अप्रैल 2002 तक मासिक अंतरालों में ब्याज प्रभारित करने की पद्धति अपनाएं।
- ♦ भारत में शाखाएं रखनेवाली विदेशी बैंकों को सीमा विस्तारित करते हुए निजी बैंकों में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश सीमा को 20 % से 49 % तक बढ़ा दिया गया।

- ♦ Banks have been accorded freedom to change composition of working capital by increasing cash credit component beyond 20% for working capital limits of Rs.10 crore.
- ♦ The Negotiated Dealing System (NDS) was introduced to facilitate electronic bidding in auctions and secondary market transactions in Government securities and providing for dissemination of information on tradings on a real time basis.
- ♦ Clearing Corporation of India Ltd., (CCIL) was operationalised and linked to the Negotiated Dealing System.
- ♦ A minimum of 5 % profits earned through investments was directed by RBI to be maintained as Investment Fluctuations Reserve over a five year period beginning from the financial year 2001-02.
- ♦ Banks and money market players were allowed to lend against securities under a new 14-day repo facility.
- ♦ Banks were advised to adopt 90 days norm, in line with international best practices, to classify their assets with effect from the financial year ending March 2004.
- ♦ Banks were advised to move over to charging of interest at monthly rests by April, 2002.
- ♦ Foreign Direct Investment (FDI) limit in private banks was hiked from 20% to 49%, with extension of the applicability of the limit to foreign banks having branches in India.

III. 2001-2002 में केनरा बैंक का वित्तीय कार्यनिष्पादन

लाभ व लाभप्रदता

वर्ष 2001-02 के दौरान बैंक के कार्यनिष्पादन के सर्वोत्कृष्ट अंश उसके लाभों और लाभप्रदता मानदंडों में प्रमात्रात्मक वृद्धि से संबंधित है। 31 मार्च 2002 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक ने पिछले वर्ष के रु. 1131 करोड़ के प्रति रु. 1656 करोड़ के परिचालन लाभ अर्जित किए जिसकी वृद्धिदर 46.4 % है। इसी अवधि के दौरान निवल लाभ रु. 285 करोड़ से रु. 741 करोड़ तक बढ़ा जिसकी वृद्धि दर 160 % के रूप में एक नया कीर्तिमान है। लाभों में हुई महत्वपूर्ण वृद्धि से बैंक की लाभप्रदता में वृद्धि हुई। लाभप्रदता के मानक मापदंड के रूप में आस्तियों पर आय पिछले वर्ष के 0.43 % की तुलना में 1.03 % तक काफी बढ़ी। प्रति कर्मचारी लाभ भी रु. 0.63 लाख से रु. 1.64 लाख तक बढ़ा। प्रमुख रूप से ब्याज आय में वृद्धि, गैर ब्याज आय में प्रमात्रात्मक वृद्धि और विशेष स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना के कारण परियोजना लागतों में बचत के कारण उच्चतर लाभ प्राप्त हुए। कम होते रहे ब्याज अंतर के समय में उक्त कार्यनिष्पादन अति उल्लेखनीय है।



III. CANARA BANK IN 2001-02 FINANCIAL PERFORMANCE

Profits and Profitability

The most redeeming feature of the Bank's performance during 2001-02 related to a quantum jump in its profits and profitability parameters. For the year ended March 31, 2002, the Bank posted operating profits of

Rs.1656 crore, as against Rs.1131 crore for the preceding year, registering a growth of 46.4%. Net Profits moved up from Rs.285 crore to Rs.741 crore over the same period, posting a record growth of 160 %. The spurt in profits significantly raised the Bank's profitability. Return on Assets, a standard measure of profitability, substantially rose to 1.03 % as compared to 0.43 % in the preceding year. Profit per employee also moved up from Rs.0.63 lakh to Rs.1.64 lakh. Higher profits emanated primarily from increased interest income, quantum rise in non-interest income and savings in operating costs due to Special Voluntary Retirement Scheme (SVRS). The performance is even noteworthy in the face of declining interest spread.

पूँजी और प्रारक्षितियाँ

वर्ष 2000-01 के 2814 करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष 2001-2002 में बैंक की स्वाधिकृत निधियाँ 3471 करोड़ रुपए तक पहुँचीं। प्रारक्षितियों में 657 करोड़ रुपए जोड़े गए, जबकि पूँजी पिछले वर्ष के 578 करोड़ रुपए के स्तर पर बनी रही।

बैंक ने लाभांश के रूप में सरकार को 80 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की जो पिछले वर्ष के दौरान प्रदत्त रु. 57.05 करोड़ से 40 % अधिक है।

मार्च 2001 के अंत के 9.84 % की तुलना में बैंक का पूँजी-जोखिम भारित आस्तियाँ अनुपात 11.88 % रहा। वर्ष के दौरान पूँजी पर्याप्तता को बढ़ाने हेतु बैंक ने रु. 450 करोड़ की टायर 2 पूँजी भी बढ़ाई।

आय व व्यय

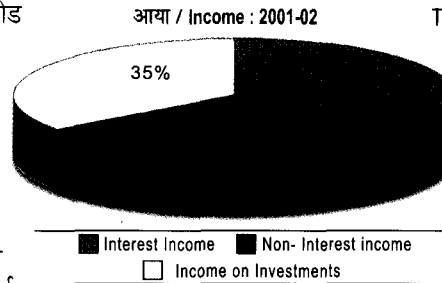
जबकि ब्याज आय में 13 % की वृद्धि हुई जिससे वह रु. 5618 करोड़ से रु. 6371 करोड़ तक पहुँची, गैर ब्याज आय में 56 % की वृद्धि हुई जिससे वर्ष 2000-01 के दौरान प्राप्त रु. 918 करोड़ की तुलना में वह रु. 1429 करोड़ तक पहुँची। गैर ब्याज आय में उल्लेखनीय वृद्धि प्रमुख रूप से राजकोष परिचालनों से है जिससे रु. 462 करोड़ का प्रमात्रात्मक अंशदान प्राप्त हुआ विशेष स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना की परिशोधित लागत को अपनाने के बाद भी रु. 77 करोड़ तक परिचालन व्यय में कमी ने भी वर्ष के लाभ में वृद्धि में योगदान दिया। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निधियों की लागत में भी 6.45 % से 6.63 % तक वृद्धि हुई और निधियों पर आय में 9.70 % से 9.29 % तक कमी हुई। परिणामस्वरूप सुलभ ब्याज दर अवधि के अनुरूप ब्याज अंतर 3.25 % से 2.65 % तक कम हुआ।

Capital and Reserves

The Bank's owned funds rose to Rs.3471 crore in 2001-02, compared to Rs.2814 crore in 2000-01. Accretion to reserves amounted to Rs.657 crore, while the Bank's capital remained at the preceding year's level of Rs.578 crore.

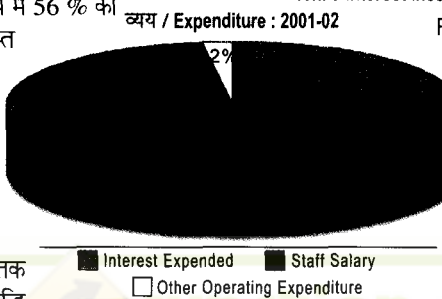
The Bank transferred a sum of Rs.80 crore as dividend to the Government, 40% higher than Rs.57.05 crore paid during last year.

Capital to Risk weighted Assets Ratio (CRAR) of the Bank improved to 11.88% compared to 9.84% as at the end of March 2001. During the year, the Bank also raised Rs. 450 crore of Tier II capital with a view to augmenting capital adequacy.



Income and Expenditure

While interest income grew by 13% to move up from Rs.5618 crore to Rs.6371 crore, non-interest income rose by 56% to reach Rs.1429 crore compared to Rs.918 crore during 2000-01. The significant increase in non-interest income was primarily from trading operation in treasury which contributed incremental amount of Rs.462 crore. The reduction in operating expenses to the tune of Rs.77 crore, even after factoring in amortised cost of SVRS, also contributed to profit growth for the year. The year under review also featured rise in cost of funds from 6.45% to 6.63% and fall in yield on funds from 9.70% to 9.29%. As a result, in consonance with the softer interest rate regime, interest spread came down significantly from 3.25% to 2.65%.



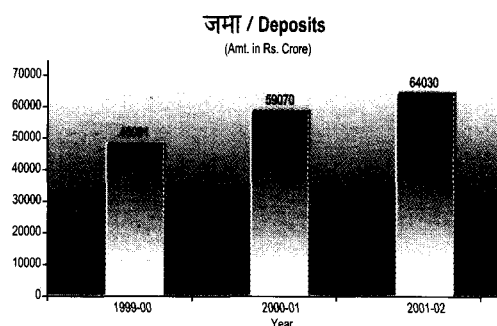
कारोबार विकास

जमा राशियाँ

यथा 31 मार्च 2002 को बैंक की ग्लोबल जमा राशियाँ 64030 करोड़ रुपए रहीं, जो पिछले वर्ष के अंत तक के रु. 59070 करोड़ के प्रति है। मार्च 2002 के अंत तक बैंक की औसत देशी जमा राशि रु. 50900 करोड़ से रु. 60738 करोड़ तक बढ़ी।

यथा 31 मार्च 2001 के रु. 9877 करोड़ से अनिवासी जमा यथा 31 मार्च 2002 को रु.11358 करोड़ तक पहुँचे।

यथा मार्च 2002 को बैंक के जमा खातों की संख्या 23 मिलियन रही।



Deposits

The Bank's global deposits aggregated to Rs. 64030 crore as at March 31, 2002, as against Rs.59070 crore at the end of the preceding year.

Average deposits of the Bank rose from Rs.50900 crore to Rs.60738 crore at the end of March 2002.

Non-resident deposits moved up from Rs.9877 crore as at March 31, 2001 to Rs.11358 crore as at the end of March 2002.

Deposit accounts of the Bank, as at March 2002, stood at around 23 million.

BUSINESS GROWTH